श्यामलाल कॉलेज

दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रोग्राम एवं पाठ्यक्रम संबंधित आउटकम

हिन्दी (प्रतिष्ठा)

प्रोग्राम संबंधित आउटकम

प्रोग्राम	प्रोग्राम संबंधी आउटकम	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया
बीए(ऑनर्स) हिन्दी	**PO-1** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी. **PO-2** भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा. **PO-3** उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा. **PO-4** छात्र अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेंगे. **PO-5** व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कंप्यूटर जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना, जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता का भी विकास किया जा सके. **PO-6** हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा. **PO-7** साहित्य के सौंदर्य, कला बोध के साथ वैचारिक मूल्यों को बढ़ावा देना.	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** फिल्म स्क्रीनिंग **5.** प्रोजेक्ट निर्माण **6.** प्रेजेंटेशन **7.** प्रश्नोत्तरी **8.** कार्यशाला **9.** साहित्यिक यात्रा

	PO-8 साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना. **PO-9** साहित्य के आदिकालीन संदर्भों से लेकर समकालीन रूप तक से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के संबंध को परख कर पहचान सके. **PO-10** साहित्य विवेक का निर्माण. **PO-11** राष्ट्रीयता की चेतना का विकास होगा। **PO-12** मानव मूल्यों का विकास होगा। **PO-13** आत्मगौरव का भाव जागेगा।	

पाठ्यक्रम संबंधित आउटकम

कोर विषय - सेमेस्टर 1 :

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	**शिक्षण उपागम**
हिन्दी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाल	**CO-1** आदिकाल के परिवेश - राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन, मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति प्रश्नोत्तरी।

	CO-2 भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा। **CO-3** भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है। विद्यार्थी भक्तिकाल की इस विरासत से परिचित हो सकेंगे।	
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आदिकाल एवं भक्तिकाल)	**CO-1** हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान। **CO-2** इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण। **CO-3** इतिहास निर्माण की पद्धति।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कहानी	**CO-1** हिन्दी कथा साहित्य का परिचेय **CO-2** कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण **CO-3** प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** कहानी वाचन **4.** फिल्म स्क्रीनिंग **5.** सतत मूल्यांकन **6.** प्रोजेक्ट निर्माण **7.** प्रेजेंटेशन **8.** पीपीटी प्रस्तुति प्रश्नोत्तरी।

कोर विषय - सेमेस्टर 2 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी कविता सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	**CO-1** हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा। **CO-2** तुलसीदास की कविता और उसके सामाजिक-सांस्कृतिक-साहित्यिक मूल्य से परिचय प्राप्त होगा। **CO-3** ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा। **CO-4** सूरदास और कृष्ण भक्तिकाव्य का परिचय प्राप्त होगा। **CO-5** रीतिकालीन परिवेश और कविता और उसकी प्रवृत्ति और प्रासंगिकता का परिचय प्राप्त होगा। **CO-6** भूषण की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक कविता से राष्ट्रवाद की भावना विकसित होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	**CO-1** विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है। साहित्य के इतिहास के अध्ययन के जरिए समाज और संस्कृति की भी पहचान होगी। **CO-2** साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य की गति और दिशा के साथ-साथ	**1.** सतत मूल्यांकन **2.** असाइनमेंट **3.** सामूहिक चर्चा **4.** विभागीय व्याख्यान **5.** आंतरिक मूल्यांकन **6.** प्रोजेक्ट निर्माण **7.** प्रेजेंटेशन, **8.** पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी

	समाज के विकास को भी चिह्नित करना है। **CO-3** साहित्येतिहास के बिना साहित्य-विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।	
हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	**CO-1** कथेतर साहित्य का परिचय। **CO-2** विश्लेषण और रचना–प्रक्रिया की समझ। **CO-3** प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय।	**1.** सतत मूल्यांकन **2.** सामूहिक चर्चा **3.** विभागीय व्याख्यान **4.** टेस्ट-असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन **5.** सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन **6.** क्लास प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।

कोर विषय - सेमेस्टर 3 : (**LOCF** पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)	**CO-1** विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है। **CO-2** साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण

	समाज के विकास को भी चिह्नित करना है। साहित्येतिहास के बिना साहित्य विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अत: साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन करना जरूरी है।	**5.** प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कविता (आधुनिक काल, छायावाद तक)	**CO-1** आधुनिक कविता की समझ विकसित होगी। **CO-2** साहित्यिकता और समकालीन परिवेश के मध्य संबंध का विश्लेषण। **CO-3** कविताओं के वाचन, लेखन, विश्लेषण और परिवेश की समझ विकसित होगी।	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. आंतरिक मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण 5. प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।
हिन्दी कहानी	CO-1 हिंदी कथा साहित्य का परिचय। CO-2 कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण। CO-3 प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, फिल्म स्क्रीनिंग।

कोर विषय - सेमेस्टर 4 :

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	

भारतीय काव्यशास्त्र	CO-1 भारतीय काव्यशास्त्र की समृद्ध परंपरा की जानकारी प्राप्त होगी। CO-2 आधुनिक हिंदीआलोचना में भारतीय काव्यशास्त्र के प्रदेय का पता चलेगा। CO-3 संस्कृत काव्यशास्त्र का ज्ञान प्राप्त होगा।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)	CO-1 इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता को काल विशेष के संदर्भ में गहन रूप से जान सकेंगे। CO-2 उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय में पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है। CO-3 छात्र कविता सीखने के साथ–साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे। CO-4 कविता के दोनों पक्षों– भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा। CO-5 आज भूमंडलीकरण का युग है हिंदी कविता अन्य देशों में भी मानवीय आचरण सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह पाठ्यक्रम मानवीयता के विविध	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

	पहलुओं को हृदयंगम करने में समर्थ है।	
हिन्दी उपन्यास	CO-1 उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति की जानकारी मिलेगी। CO-2 हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान। CO-3 प्रमुख लेखकों के उपन्यास का परिचय।	सामूहिक चर्चा विभागीय व्याख्यान आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट निर्माण प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, फिल्म स्क्रीनिंग।

कोर विषय - सेमेस्टर 5 :

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**1.** प्राचीन से आधुनिकता की ओर आते हुए विकसित हो रहे पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन–धारा की समझ विकसित होगी। **2.** नई विचारधारा और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, **6.** पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।
हिन्दी नाटक/एकांकी	**CO-1** संबंधित नाटककारों के युग की सामाजिक–सांस्कृतिक–साहित्यिक–धार्मिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे। **CO-2** विद्यार्थियों में भारत की एकता और सामाजिक	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण

	समरसता का भाव विकसित होगा। **CO-3** स्त्री सशक्तीकरण के भाव को बल मिलेगा। **CO-4** नैतिक मूल्यों का विकास होगा। **CO-5** साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित होगी।	**5.** प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा ट्रिप, कार्यशाला।

कोर विषय - सेमेस्टर 6 :

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी आलोचना	**CO-1** विद्यार्थियों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी। **CO-2** रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी। **CO-3** रचना के गुणे–दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे. **CO-4** रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा.	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति।
हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	**CO-1** कथेतर साहित्य का परिचय। **CO-2** विश्लेषण और रचना–प्रक्रिया की समझ।	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. आंतरिक मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण

	CO-3 प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय।	5. प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति।

हिन्दी विषय आधारित शैक्षणिक कार्यरक्रम (HDSEC)

सेमेस्टर 5

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी की मौखिक एवं लोक साहित्य परंपरा	**CO-1** भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा। **CO-2** पर्यटन, लोकसंगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** कक्षा व्याख्यान **3.** सतत आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन पीपीटी प्रस्तुति।
अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य	**CO-1** अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान। **CO-2** विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना। **CO-3** प्रमुख कृतियों का परिचय।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** कक्ष व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** अस्मितामूलक विमर्श को उभारनेवाली फिल्म की स्क्रीनिंग।
भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत	**CO-1** भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के महत्वपूर्ण पक्षों का अध्ययन–विश्लेषण।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन

	CO-2 नाटक रंगमंच का संबंध और नवीन विधाओं का परिचय प्राप्त होग। **CO-3** प्रदर्शनकारी कलाओं के साथ संवाद होगा।	**4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** कक्षा ट्रिप **8.** कार्यशाला।

सेमेस्टर 5

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	**CO-1** हिंदी भाषा वर्तमान समय में तेजी से वैश्वीकृत हो रही है। अत: हिंदी के स्वरूप को आधार रूप से सुगठित बनाने की प्रक्रिया पर बल देना चाहिए। यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा को आधार रूप से व्यवस्थित करेगा। **CO-2** यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के भाषागत रूप को शुद्ध करने का पूर्ण प्रयास करता है। **CO-3** मौखिक अभिव्यक्ति के मानक, अमानक रूपों को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से जाना जा सकता है। **CO-4** विद्यार्थियों की हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग बढ़ाने में यह पाठ्यक्रम मदद करेगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास प्रश्नोत्तरी।

कोश विज्ञान : शब्दकोश एवं विश्वकोश	**CO-1** कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो सकेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास।
भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा	**CO-1** अखिल भारतीय साहित्य की समझ विकसित होगी। **CO-2** एकसूत्रता में सांस्कृतिक विविधता की समझ।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास **7.** प्रश्नोत्तरी

सेमेस्टर 6

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
लोक नाट्य	**CO-1** पर्यटन, लोक–संगीत, विभिन्न नाट्य रूपों में रुचि जाग्रत होगी। **CO-2** लोक–भावना और भारत बोध के बीच संवाद होगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन

	CO-3 भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी।	**6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास।
हिन्दी की भाषिक विविधताएं	**CO-1** प्रमुख रचनाकारों और प्रस्तुतियों से लाभान्वित होना। **CO-2** विश्लेषण क्षमता। **CO-3** साहित्यिकता की समझ विकसित करना। **CO-4** पर्यटन, नृत्य–संगीत आदि में रुचि का अवसर।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास।
भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन	**CO-1** भारतीय साहित्य का ज्ञान। **CO-2** व्यक्तित्व विकास में सहायक। **CO-3** अभिव्यक्ति क्षमता का विकास।	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. आंतरिक मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण 5. प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।

सेमेस्टर 6

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
शोध प्रविधि	**CO-1** विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूता को बढ़ा सकेंगे। **CO-2** शोध के स्वरूप की व्यावहारिक समझ विकसित होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन

	CO-3 शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझ सकेंगे। **CO-4** व्यावहारिक शोध का प्रारूप तैयार करना सीख सकेंगे।	**4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** कक्षा अभ्यास
अवधारणात्मक साहित्यिक पद	**CO-1** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना सिद्धांतों के बीज शब्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। **CO-2** साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों में आनेवाले पारिभाषिक शब्दों के विशिष्ट अर्थबोध को विस्तार से समझा जा सकेगा। **CO-3** पारिभाषिक शब्दों के विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थी इन बीज शब्दों के मूल सिद्धांतों का भी सहज रूप से विश्लेषण कर पाने में समर्थ हो सकेंगे। **CO-4** अवधारणामूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का स हज विश्लेषण कर सकेगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास **7.** प्रश्नोत्तरी
हिन्दी रंगमंच	**CO-1** रंगमंच के विकास के साथ–साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी। **CO-2** प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पायेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन

	CO-3 पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी। **CO-4** भारतबोध विकसित होगा।	**6.** पीपीटी प्रस्तुति कक्षा अभ्यास। **7.** कक्षा ट्रिप, कार्यशाला **8.** प्रश्नोत्तरी

मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (VAC)

सेमेस्टर : 1

भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	**CO-1** भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों का विकास होगा और वे एक अच्छे चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे। **CO-2** भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष की जानकारी होगी। **CO-3** भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** कक्षा व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** कक्षा ट्रिप **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	**CO-1** साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ विकसित होगी। **CO-2** भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** कक्षा व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** कक्षा व्याख्यान **8.** कार्यशाला **9.** फिल्म स्क्रीनिंग

	सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा। **CO-3** वैचारिक समझ और तार्किक क्षमता का विकास होगा। **CO-4** परियोजना के माध्यम से संप्रेषण और प्रस्तुतीकरण दक्षता का विकास होगा। **CO-5** छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होगा।	**10.** शैक्षणिक यात्रा
सृजनात्मक लेखन के आयाम	**CO-1** सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा। **CO-2** लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित होगी। **CO-3** मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी। **CO-4** विद्यार्थियों में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन, मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी।

कौशल संवर्धन कार्यक्रम (SEC)

सेमेस्टर 1 और 2

पटकथा लेखन	**CO-1** पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे। **CO-2** पटकथा लेखन की जानकारी मिलने के उपरांत विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएं बनेंगी। **CO-3** विद्यार्थी भाषायी संप्रेषण के समझते हुए लेखन से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
रंगमंच	**CO-1** नाट्य प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा। **CO-2** रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरांत इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएं बनेंगी। **CO-3** रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास होगा। **CO-4** विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
रंगमंच लेखन	**CO-1** मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल के विकास में मदद मिलेगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण

	CO-2 उसमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा। **CO-3** साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय प्राप्त होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की ओर अग्रसर हो सकेंगे।	**5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
अनुवाद कला	**CO-1** अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी। **CO-2** विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन। **CO-3** प्रयोगात्मक कार्य।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
सृजनात्मक लेखन	**CO-1** सृजनात्मक चिंतन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा। **CO-2** लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित होगी। **CO-3** मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी। **CO-4** विद्यार्थियों में अपने परिवेश, समाज	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. सतत मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण 5. प्रेजेंटेशन 6. पीपीटी प्रस्तुति 7. फिल्म स्क्रीनिंग 8. कार्यशाला 9. प्रश्नोत्तरी

	तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।	

हिन्दी कौशल संवर्धक ऐच्छिक कार्यक्रम (HSEC) (LOCF)

सेमेस्टर 3

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
विज्ञापन और हिन्दी भाषा	**CO-1** विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन–विश्लेषण का अवसर मिलेगा। **CO-2** निर्माण और प्रभाव को सामाजिक आवश्यकताओं पर विश्लेषित करना। **CO-3** इन क्षेत्रों में रोजगार करने की योग्यता।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
कंप्यूटर और हिन्दी भाषा	**CO-1** विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा। **CO-2** इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखो की प्रक्रिया में हिंदी भाषा और कंप्यूटर के आरंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। **CO-3** हिंदी के विभिन्न फॉन्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी

	CO-4 हिंदी भाषा में इंटरनेट और वेबसाइटों का प्रयोग किया जा सकेगा। **CO-5** कंप्यूटर में हिंदी की स्ंभावनाओं और चुनौतियों को जान पायेगा। **CO-6** ई गवर्नेंस, ई लर्निंग, एसएमएस का हिंदी में प्रयोग कर पायेगा। **CO-7** हिंदी के माध्यम से कंप्यूटर की दुनिया से परिचित हो पायेगा। **CO-8** राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चत किया जा सकेगा। **CO-9** भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।	
सोशल मीडिया	**CO-1** बाजार, सोशल मीडिया और समाज के संबंध की व्यावहारिक जानकारी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
अनुवाद कौशल	**CO-1** अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी। **CO-2** विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान

	CO-3 प्रयोगात्मक कार्य।	**3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी

सेमेस्टर 4

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
कार्यालयी हिन्दी	**CO-1** कार्यालयी हिंदी की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी होगी। **CO-2** हिंदी की आवश्यकताओं और रोजगार क्षेत्र की मांग का अनुमान कर सकेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
भाषायी दक्षता	**CO-1** छात्र भाषा दक्षता, समझ और संभाषण से संबंधित अनेक पहलुओं से अवगत होंगे। **CO-2** भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो पायेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग

	CO-3 व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ–साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे। **CO-4** भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप, भाषण, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा का भी अध्ययन कर पायेंगे।	**8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
भाषा और समाज	**CO-1** भाषा और समुदाय को बदलते हुए भारतीय परिवेश में जानना। **CO-2** भाषा और जातीयता के विविध रूपों का विश्लेषण करना। **CO-3** द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के विभिन्न प्रारूपों से अवगत होना और उनका संदर्भगत विवेचन। **CO-4** भाषा और संस्कृति के मूल बिंदुओं की गहन जानकारी प्राप्त करना। **CO-5** भाषा सर्वेक्षण, उनके विविध रूप तथा भाषा नमूनों का विश्लेषण करना तथा भाषा के नवीन प्रयोग का अध्ययन करना।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति, कक्षा अभ्यास।

हिंदी सामान्य ऐच्छिक (जेनरिक) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर-1 और 2

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	**CO-1** भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा। **CO-2** स्नातक स्तरके विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा। **CO-3** वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा। **CO-4** समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान 3. सतत मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण 5. प्रेजेंटेशन 6. पीपीटी प्रस्तुति 7. फिल्म स्क्रीनिंग 8. कार्यशाला 9. प्रश्नोत्तरी
हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	**CO-1** हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ। **CO-2** सिनेमा निर्माण,प्रसार और कैमरे की भूमिका की व्यावहारिक समझ।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद	**CO-1** अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान

	CO-2 क्षेत्र विशेष की मांग से परिचित होंगे।	**3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
सेमेस्टर :2		
पटकथा तथा संवाद लेखन	**CO-1** पटकथा क्या है, यह समझेंगे। **CO-2** पटकथा और संवाद लेखन में दक्षता हासिल करेंगे। **CO-3** कहानी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं को पटकथा में रूपांतरित करना सीखेंगे। **CO-4** भविष्य में पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	**1.** हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ। **2.** सिनेमा निर्माण,प्रसार और कैमरे की भूमिका की व्यावहारिक समझ।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद	**CO-1** अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान

	CO-2 क्षेत्र विशेष की मांग से परिचित होंगे।	**3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** कार्यशाला

सेमेस्टर-3

पाठ्यक्रम का नाम	**शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes**	
हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद	**CO-1** अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी। **CO-2** क्षेत्र विशेष की मांग से परिचित होंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
भाषा और समाज	**CO-1** भाषा और समाज के अंतरसंबध की जानकारी। **CO-2** समाज में भाषा व्यवहार की जानकारी। **CO-3** सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी

सेमेस्टर-4

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	**CO-1** हिंदी की अंतरराष्ट्रीय स्थिति का परिचय। **CO-2** विकास के नये क्षेत्र : उपलब्धियां और चुनौतियां	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
भाषा शिक्षण	**CO-1** विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे। **CO-2** साथ ही भाषा की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषायी संदर्भों को जान सकेंगे। **CO-3** विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण, मीडिया, अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर पायेंगे। **CO-4** वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी

AECC - सम्प्रेषण

पाठ्यक्रम का नाम	शैक्षणिक आउटकम/ Learning Outcomes	
हिन्दी भाषा : सम्प्रेषण और संचार (हिंदी क)	**CO-1** संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित होंगे। **CO-2** संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ विकसित होगी। **CO-3** प्रभावी संप्रेषण करना सीखेंगे। **CO-4** पत्र लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। **CO-5** मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** सतत मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन **6.** पीपीटी प्रस्तुति **7.** फिल्म स्क्रीनिंग **8.** कार्यशाला **9.** प्रश्नोत्तरी
औपचारिक लेखन हिंदी(ख)	**CO-1** विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे। **CO-2** कार्यालयों में होनेवाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान। **CO-3** सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सीखेंगे। **CO-4** सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सीखेंगे। **CO-5** मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे। **CO-6** विद्यार्थी टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे।	**1.** सामूहिक चर्चा **2.** विभागीय व्याख्यान **3.** आंतरिक मूल्यांकन **4.** प्रोजेक्ट निर्माण **5.** प्रेजेंटेशन, पीपीटी प्रस्तुति **6.** औपचारिक लेखन के विभिन्न नमूनों का लेखन अभ्यास।
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)	**CO-1** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।	1. सामूहिक चर्चा 2. विभागीय व्याख्यान

	CO-2 सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ विकसित हो सकेगी। **CO-3** ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे। **CO-4** सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे। **CO-5** विद्यार्थी सोशल मीडिया पर काम करना सीखेंगे।	3. आंतरिक मूल्यांकन 4. प्रोजेक्ट निर्माण 5. प्रेजेंटेशन 6. पीपीटी प्रस्तुति 7. ब्लॉग निर्माण और लेखन 8. रिपोर्ट लेखन।